

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2008

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-IV

कुल अंक : 50

प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं।

भाग-I (दशा पद्धति)

1. निम्न कुण्डली का अध्ययन करें :-
जन्म : 14 अप्रैल 1942, 5.00 बजे प्रातः, मैंगलोर (कर्नाटक)
लग्न - मीन 5:48, सूर्य - मेष : 0:20, चन्द्र - मीन 11:33
मंगल - वृष 29:29, बुध - मीन 23:21, गुरु - वृष्ण 25:01
शुक्र - कुम्भ 14:01, शनि - वृष 3:54, राहु - सिंह 19:53
जन्म पर दशा शेष : शनि - 7 व 3 मा 13 दि
क. बुध महादशा के क्या सामान्य फल होंगे?
ख. जातक के विवाह के समय पर महादशा/अन्तरदशा/प्रत्यन्तर दशा का निर्धारण करें?
2. प्र. 1 के जातक की शुक्र महादशा व गुरु अन्तरदशा के सामान्य फलादेश पर चर्चा करें।
3. महादशा में किसी अन्तरदशा का फलादेश किन तथ्यों के आधार पर किया जाता है?
4. क. निम्न पत्रिका में योगिनी दशा व अन्तरदशा क्रम ज्ञात करें।
जन्म : 28 जून 1921, 13:02 घण्टे, बाराकल (आन्ध्र प्रदेश)
लग्न - कन्या 24:47, सूर्य - मिथुन 13:16, चन्द्र - मीन 10:33
मंगल - मिथुन 13:22, बुध (व) - मिथुन 27:40, गुरु - सिंह 20:06
शुक्र - मेष 27:40, शनि - सिंह 26:26, राहु - तुला 1:43
जन्म पर दशा शेष - शनि 8 व 8 मा 17 दि.
ख. जातक बुध महादशा की राहु अन्तर दशा (विंशोत्तरी) में प्रधानमंत्री बना।
ज्योतिषीय आधार पर विवेचन करें।
5. निम्न घटनाओं का समय कैसे ज्ञात करते हैं।
क. पदोन्नति
ख. विदेश यात्रा

भाग-II (गोचर)

6. गोचर, कुण्डली के फलों को अन्तिम रूप देता है। चर्चा करें?
7. क. सप्तशलाका चक्र के उपयोग को समझाएं?
ख. द्विग्रह गोचर सिद्धांत क्या है?
8. निम्न पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखें :-
क. वक्री ग्रहों के फल
ख. विपरीत वेध
ग. मूर्ति निरणय
9. क. मंगल ग्रह का 6, 7 व 8 वें भाव में गोचर के क्या फल होंगे?
ख. बृहस्पति ग्रह का 6, 7 व 8 वें भाव में गोचर के क्या फल होंगे?
10. क. चन्द्र से 4, 8 व 12 वे भाव में शनि के गोचर के क्या फल होंगे?
ख. प्र. 1 के जातक की साढ़े साती के परिणाम समझाएं।